CBSE Board Paper Solution-2020

कक्षा	: X
विषय	: **हिन्दी** (ब)
सेट	: **3**
कोड नं	: **4/2/3**
निर्धारित समय	: 3 **घण्टे**
अधिकतम अंक	: 80

https://previouspaper.in

सामान्य निर्देशः

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका अनुपालन कीजिएः

(i) पत्र चार खंड़ों में विभाजित किया गया है- क, ख, ग एवं घ। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

(ii) खंड-क में प्रश्न अपठित गद्यांश पर आधारित हैं।

(iii) खंड-ख में प्रश्न संख्या 2 से 6 तक प्रश्न हैं।

(iv) खंड - ग में प्रश्न संख्या 7 से 11 तक प्रश्न हैं।

(v) खंड-घ में प्रश्न संख्या 12 से 16 तक प्रश्न हैं।

(vi) यथासंभव प्रत्येक खंड के प्रश्नों के उत्तर क्रम से लिखिए।

(vii) उत्तर संक्षिप्त तथा क्रमिक होना चाहिए और साथ ही दी गई सीमा का यथासंभव अनुपालन कीजिए।

(viii) प्रश्न-पत्र में समग्र पर कोई विकल्प नहीं है। तथापि दो-दो अंकों वाले 2 प्रश्नों में, तीन अंक वाले 1 प्रश्न में और पाँच-पाँच अंकों वाले 6 प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं। पूछे गए प्रश्न का उत्तर लिखने के लिए सही विकल्प का ध्यान रखिए।

(ix) इनके अतिरिक्त आवश्यकतानुसार, प्रत्येक खंड और प्रश्न के साथ यथोचित निर्देश दिए गए हैं।

खंड 'क'

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिएः **10**

अपनी सभ्यता का जब मैं अवलोकन करता हूँ, तब लोगों को काम के संबंध की उनकी विचारधारा के अनुसार उन्हें विभाजित करने लगता हूँ। एक वर्ग में वे लोग आते हैं, जो काम को उस घृणित आवश्यकता के रूप् में देखते हैं, जिसकी उनके लिए उपयोगिता केवल धन अर्जित करना है। वे अनुभव करते हैं कि जब दिनभर का श्रम समाप्त हो जाता है, तब वे जीना सचमुच शुरू करते हैं और अपने आप में होते हैं। अब वे काम में लगे होते हैं, तब उनका मन भटकता रहता है। काम को वे उतना महत्व देने का कभी विचार नहीं करते, क्योंकि केवल आमदनी के लिए ही उन्हें काम की आवश्यकता है। दूसरे वर्ग के लोग अपने काम को आनंद और आत्मपरितोष पाने के एक सुयोग के रूप में देखते हैं। वे धन इसलिए कमाना चाहते हैं ताकि अपने

https://previouspaper.in

काम में अधिक एकनिष्ठता के साथ समर्पित हो सकें। जिस काम में वे संलग्न होते हैं, उसकी पूजा करते हैं।

पहले वर्ग में केवल वे लोग ही नहीं आते हैं, जो बहुत कठिन और अरुचिकर काम करते हैं। उसमें बहुत-से संपन्न लोग भी सम्मिलित हैं, जो वास्तव में कोई काम नहीं करते हैं। ये सभी धन को ऐसा कुछ समझते हैं, जो उन्हें काम करने के अभिशाप से बचाता है। इसके सिवाय कि उनका भाग्य अच्छा रहा है, वे अन्यथा उन कारखानों के मजदूरों की तरह ही हैं, जो अपने दैनिक काम को जीवन का सबसे बड़ा अभिशाप समझते हैं। उनके लिए काम कोई घृणित वस्तु है और धन वांछनीय, क्योंकि काम से छुटकारा पाने के साधन का प्रतिनिधित्व यही धन करता है। यदि काम को वे टाल सकें और फिर भी धन प्राप्त हो जाए, तो खुशी से यही करेंगे।

जो लोग काम में अनुरक्त हैं तथा उसके प्रति समर्पित हैं, ऐसे कलाकार, विद्वान और वैज्ञानिक दूसरे वर्ग में सम्मिलित हैं। वस्तुओं को बनाने और खोजने में वे हमेशा दिलचस्पी रखते हैं। इसके अंतर्गत परंपरागत कारीगर भी आते हैं, जो किसी वस्तु को रूप देने में गर्व और आनंद का वास्तविक अनुभव करते हैं। अपनी मशीनों को ममत्वभरी सावधानी से चलाने और उनका रख-रखाव करने वाले कुशल मिस्त्री और इंजीनियर इसी वर्ग से संबंधित हैं।

(क) कितने प्रकार के काम करने वाले लेखक को दिखाई देते हैं? इस विभाजन का आधर क्या है ? 2

https://previouspaper.in

(ख) जिन लोगों के लिए काम की उपयोगिता धन प्राप्त करना है, वे क्या अनुभव करते हैं? 2

(ग) दैनिक काम को जीवन का सबसे बड़ा अभिशाप समझने के दृष्टिकोण को कैसे बदला जा सकता है? 2

(घ) काम के प्रति समर्पित लोगों के वर्ग में कौन-कौन लोग आते हैं? 2

(ङ.) काम करना किनके लिए घृणित है? 1

(च) उपर्युक्त गद्यांश का उपर्युक्त शीर्षक दीजिए| 1

उत्तर-

क. लेखक को दो प्रकार के काम करने वाले वर्ग दिखाई देते हैं| पहले वर्ग में वे लोग आते हैं, जो काम को उस घृणित आवश्यकता के रूप में देखते हैं, जिसकी उनके लिए उपयोगिता केवल धन अर्जित करना है| दूसरे वर्ग के लोग अपने काम को आनंद और आत्मपरितोष पाने के एक सुयोग के रूप में देखते हैं|

ख. जिन लोगों के लिए काम की उपयोगिता धन प्राप्त करना है, वे अनुभव करते हैं कि जब दिनभर का श्रम समाप्त हो जाता है, तब वे जीना सचमुच शुरू करते हैं और अपने आप में होते हैं| जब वे काम में लगे होते है, तब उनका मन भटकता रहता है| काम को वे

https://previouspaper.in

उतना महत्त्व देने का कभी विचार नहीं करते, क्योंकि केवल आमदनी के लिए ही उन्हें काम की आवश्यकता है|

ग. जो अपने दैनिक काम को जीवन का सबसे बड़ा अभिशाप समझते हैं| उनके लिए काम कोई घृणित वस्तु है और धन वांछनीय, क्योंकि काम से छुटकारा पाने के साधन का प्रितिनिधित्व यही धन करता है| इस दृष्टि कोण बदलने के लिए यह आवश्यक है कि जो काम हम कर रहे है उसे मन लगा के करे और खुश होक करे|

घ. काम के प्रति समर्पित लोगों के वर्ग में ऐसे कलाकार, विद्वान और वैज्ञानिक सम्मिलत हैं जो वस्तुओं को बनाने और खोजने में वे हमेशा दिलचस्पी रखते हैं| इसके अंतर्गत परंपरागत कारीगर भी आते हैं, जो किसी वस्तु को रूप देने में गर्व और आनंद का वास्तविक अनुभव करते हैं| अपनी मशीनों को ममत्वभरी सावधानी से चलाने और उनका रख-रखाव करने वाले कुशल मिस्त्री और इंजीनियर इसी वर्ग से संबंधित हैं|

ङ. काम करना उनके लिए घृणित होता है जिन लोगों के लिए केवल धन अर्जित करना ही काम का उद्देश्य होता है|

च. उपर्युक्त गद्यांश का उपर्युक्त शीर्षक होगा- कर्म |

खंड 'ख'

2. 'शब्द' और 'पद' का अंतर उदाहरण देकर समझाइए। 1

उत्तर-

शब्द जब तक कोश में रहता है 'शब्द' कहलाता है किन्तु वाक्य में प्रयुक्त होने पर व्याकरणिक इकाइयों में बँधने पर वही शब्द 'पद' कहलाता है । जैसे - 'कमल' एक शब्द है किन्तु 'कमल सरोवर में खिलता है' वाक्य में प्रयोग होने पर वह 'पद' हो गया है।

3. निम्नलिखित वाक्यों को निर्देशानुसार बदलिए: 1×3=3

(क) जो एक नौकर रख लिया है, वही बनाता - खिलाता है। (संयुक्त वाक्य में)

(ख) जो रुपए दादा भेजते हैं, उसे हम बीस-बाईस तक खर्च कर डालते हैं। (सरल वाक्य में)

(ग) मेरे बीमार होने पर तुम्हारे हाथ-पाँव फूल जाएँगे। (मिश्र वाक्य में)

उत्तर-

(क) एक नौकर रख लिया और वही बनाता- खिलाता है।

(ख) दादा के भेजे रूपये हम बीच-बरस तक खर्च कर डालते है।

(ग) यदि मैं बीमार हुआ तो तुम्हारा हाथ पाँव फूल जायेंगे।

4. (क) निम्नलिखित समस्त पदों का विग्रह करके समास का नाम भी लिखिए:

1×2=2

(i) यथासंभव **(ii) राहखर्च**

https://previouspaper.in

(ख) निम्नलिखित विग्रहों के समस्त पद बनाकर समास का नाम भी लिखिएः

1×2

(i) कमल के समान नयन **(ii) फूल और पत्ते**

उत्तर-

(क) (i) जैसा संभव हो - अव्ययीभाव समास

(ii) राह के लिए खर्च - तत्पुरुष समास

(ख) (i) कमल नयन - कर्मधारय समास

(ii) फूल - पत्ते - द्वन्द समास

5. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्धकरके लिखिएः **1×4=4**

(क) आईए, पधारिए, आपका स्वागत है।

(ख) क्या आप यह कहानी पढ़े हैं?

(ग) गाय काली घास चर रही है।

(घ) मेरे को पढ़ना है।

उत्तर-

(क) पधारिये, आपका स्वागत है।

(ख) क्या आपने यह कहानी पढ़ी है।

(ग) काली गाय घास चर रही है।

https://previouspaper.in

(घ) मुझे पढ़ना है।

6. निम्नलिखित मुहावरों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिएः 1×4=4

(क) रंगे हाथ पकड़ना

(ख) बीड़ा उठाना

(ग) बाएँ हाथ को खेल

(घ) जान बक्श देना

उत्तर-

(क) मैंने रोहन को चोरी करते रंगे हाथ पकड़ लिया।

(ख) हमने स्वछ्ता रखने का बीड़ा उठाया है।

(ग) निंबंध लिखना मेरे बाएँ हाथ का खेल है।

(घ) जाओ, मैंने तुम्हारी जान बख्श दी।

खंड 'ग'

7. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर लगभग 30 - 40 शब्दों में लिखिए: 2x3=6

(क) लेखक के ग्वालियर से मुंबई तक प्रकृति और मनुष्य के सम्बन्धो में किन बदलावों को महसूस किया?'अब कहाँ दूसरे के दुःख से दुखी होने वाले' पथ के आधार पर स्पष्ट कीजिए ।

(ख) तताँरा-वामीरो के त्याग के बाद उनके समाज में क्या सुखद परिवर्तन आया?

https://previouspaper.in

(ग) 'एक संगठित समाज कृतसंकल्प हो तो ऐसा कुछ भी नहीं जो वह ना कर सके।' 'डायरी का एक पन्ना' पाठके सम्बन्ध में कहे गए उक्त कथन की उदाहरण सहित पुष्टि कीजिए।

(घ) कर्नल को वजीर अली के अफ़साने सुनकर रॉबिन हुड के कारनामे क्यों याद आ गए?

उत्तर-

(क) **लेखक पहले ग्वालियर में रहता था फिर बम्बई के वर्सोवा में रहने लगा। प्ले घर बड़े-बड़े होते थे, दालान आँगन होते थे अब डिब्बे जैसे घर होते है, पहले सब मिलकर रहते थे अब सब अलग-अलग रहते है, इमारतें है पशु-पक्षियों के रहने के लिए स्थान नहीं रहे, पहले अगर वे घोंसले बना लेते थे तो उनका ध्यान रखा जाता था पर अब उनके आने के रास्ते बंद दिए जाते हैं।**

(ख) तताँरा- वामीरो के त्याग के बाद समाज में यह सुखद परिवर्तन आया कि उन्होंने वहरूडी तोड़ साली जिसके अनुसार अंडमान में एक गांव दो गांवो के लोग आपस में विवहा संबंध रखने लगे।

(ग) यह सच हैं कि यदि 'एक संगठित समाज कृतसंकलप हो तो ऐसा कुछ भी नहीं जो वह न कर सके।' कलकत्ता में 26 जनवरी 1931 के दिन सरे नगरवासियों ने मिलकर चार बजकर चौबीस मिनट पर पार्क में झंडा फहराने का संकलप किया पुलिस के लाख बल-प्रयोग और गिरफ्तारियों के बाद भी महिलाओं ने झंडा फहराकर प्रतीक्षा

पढ़ी। यदि समाज संगठित होकर किसी एक लक्ष्य कीऔर लाठीचार्ज से घायल हिन्दुस्तानियों ने अपना संकलप पूरा किया।

(घ) रॉबिन हुड एक ऐसा पात्र हैं जो अमीरो से लूटकर गरीबो में बाँट देता हैं। और पुलिस उसे पकड़ नहीं पति। उसी प्रकार वजीर अली भी अंग्रेजो के वकील की हत्या कर फरार हैं पर लोकप्रिय होने के कारण अंग्रेजी सेना अपने पुरे दलबल के साथ होने पर भी उसे पकड़ नहीं पति हैं। इसलिए कर्नल को वजीर अली के अफ़साने सुनकर रोबिनहुड के कारनामे याद आ गए।

8. लगभग 80 - 100 शब्दों में उत्तर लिखिए: 5

'पतझर में टूटी पत्तियों' में गांधीजी के संदर्भ में दो प्रकार के सोने की चर्चा क्यों की गयी है और कैसे कहा जा सकता है की गाँधीजी गिन्नी का सोना थे? अपना तर्कसम्मत मत व्यक्त कीजिए।

अथवा

पढ़ाई और परीक्षा के प्रति बड़े भाई साहब और छोटे भाई के दृष्टिकोण में क्या मौलिक अंतर है? आपके विचार से दोनों में सामंजस्य किस प्रकार बिठाया का सकता है?

उत्तर-

'पतझड़ में टूटी पत्तियां' में गाँधीजी के सन्दर्भ में दो प्रकार के सोने की चर्चा इसलिए की हैं क्योंकि सोना दो प्रकार का होता हैं' एक गिन्नी का सोना जो 24 कैरेट शुद्ध होता होता हैं और उससे आभुषण नहीं बन सकता। लेकिन उसमें ताँबे की मिलावट के बाद

आभूषण बन सकते हैं। उसी प्रकार आदर्श गिन्नी का सोना हैं परन्तु व्यवहार में उतरने के लिए थोड़ा व्यवहार में मिलावट करनी पड़ती हैं परन्तु गाँधीजी गिन्नी का सोना थे वे आदर्शों में व्यवहार की मिलावट न करके व्यवहार में ही आदर्शों को उतार लेते थे।

अथवा

पढ़ाई और परीक्षाओं के प्रति बड़े भाई और छोटे भाई के दृष्टिकोण में मौलिक अंतर निम्नलिखित है-

छोटा भाई पढ़ाई को रटता नहीं समझता है जबकि बड़े भाई साहब समस्त सामग्री को रटते थे और विद्या को रटंत मानते थे। छोटा भाई खेलता भी था जिससे उसका मस्तिष्क तरोताजा हो जाता था और वह पाठ को अच्छी तरह से समझने में समर्थ होता था। परंतु बड़े भाई साहब खेलते नहीं थे और इस कारण उनका ध्यान पढ़ाई में नहीं लग पाता था। छोटा भाई रोज का टास्क रोज पूरा करता था जबकि बड़े भाई संभवतः ऐसा नहीं करता था। मुख्य रूप् से दोनों के दृष्टिकोण में मुख्य अंतर यह था कि छोटा भाई शिक्षा को सहजता से लेता था जबकि बड़े भाई बोझ समझकर। हमारे विचार से दोनों में सामंजस्य दृष्टिकोण बदलकर किया जा सकता है।

9. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 30 - 40 शब्दों में लिखिए: 2x3=6

(क) 'तोप' कविता के अलोक में विरासत में मिली चीजों के महत्व पर अपना दृष्टिकोण लिखिए।

https://previouspaper.in

(ख) 'आत्मत्राण' कविता में किसी सहायक पर निर्भर न रहने की बात कवि क्यों कहता है? स्पष्ट कीजिए।

(ग) श्रीकृष्ण के पीले वस्त्र पर बिहारी ने क्या कल्पना की है? इस कल्पना का सौंदर्य समझाइए।

(घ) 'कर चले हम फ़िदा' गीत में सैनिको की देशवासियों से क्या अपेक्षाएँ है?

उत्तर-

(क) 'तोप' कविता के द्वारा पता चलता है कि विरासत में मिली चीजें महत्वपूर्ण हैं। ये ऐतिहासिकता को बनाती हैं जिससे हमें अपने इतिहास की जानकारी मिलती हैं। विरासत में मिली चीजें शोध आदि में काम आती है। इसके अतिरिक्त ये किसी स्थान की शोभा भी बढ़ाती हैं।

(ख) 'आत्मत्राण' कविता में किसी सहायक पर निर्भर न रहने की बात कवि इसलिए कहता है क्योंकि वह अपने दुख को दूर करने की प्रार्थना कर अपना आत्म सम्मान नष्ट नहीं करना चाहता वह ईश्वर से अपने दुख और उत्तरदायित्वों से खुद ही निपटने की शक्ति मागता है।

(ग) श्रीकृष्ण के पीले वस्त्र पर बिहारी ने यह कल्पना की है कि मानो कृष्ण का साँवला शरीर नीलमणि पर्वत हो और उनके द्वारा पहना गया पीतांबर सूरज की धूप सी लग रही है और ऐसा लग रहा है मानों नीलमणि पर्वत पर सूर्य की पीली धूप पड़ रही हो।

(घ) 'कर चले हम फिदा' गीत में सैनिकों की देशवासियों से यह अपेक्षाएँ हैं कि उनके प्राणोत्सर्ग के बाद भी देशवासी कुर्बानी की राह वीरान नहीं होने देंगे और निरंतर देश की राह में बलिदान होते जाएँगें और धरती रूपी सीता को राम-लक्ष्मण की भाँति बचाएँगे और देश का सिर नीचा नहीं होने देंगे।

10. लगभग 80 - 100 शब्दों के उत्तर लिखिए: 5

'मनुष्यता' कविता के द्वारा कवि ने क्या प्रतिपादित करना चाहा है? विस्तार से स्पष्ट कीजिए। 5

अथवा

कबीर के दोहे के आधार पर कस्तूरी की उपमा को स्पष्ट कीजिए। मनुष्य को ईश्वर प्राप्ति के लिए क्या करना चाहिए? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर-

मैथिली शरण गुप्त प्रणीत 'मनुष्यता' कविता में कवि उसी व्यक्ति को मनुष्य मानता है जो परोपकार हेतु जीवित रहता है। सरस्वती भी उसी उदारमना की कथा बखानती है लोगों की स्मृति में भी वही व्यक्ति अमर रहता है जो अखंड आत्मभाव से समस्त सृष्टि को देखता है। इसके लिए वह रंतिदेव, दधीचि, राजा शिवि और वीर कर्ण के उदाहरण देते हुए हमें परोपकार की प्रेरणा देता है कहता है। कवि के अनुसार यदि मनुष्य मनुष्य की उन्नति हेतु प्रयत्न करेगा और एक-दूसरे की सहायता करेगा तो देवता भी उसका साथ देंगे। समस्त मनुष्यों के एक ही पिता परमेश्वर की संतान होने के कारण उनमें

https://previouspaper.in

बंधुत्व का नाता है। अतः हमें एक - दूसरे की सहायता करते हुए अपने इच्छित मार्ग पर आगे बढ़ना चाहिए। पारस्परिक एकता को बनाए रखकर मार्ग में आने वाली सभी विपत्तियों व विघ्नों को दूर हटा देना चाहिए क्योंकि मनुश्य समर्थ तभी माना जाता है ज बवह केवल अपनी ही उन्नति न करे वरन् समाज की भी उन्नति करे इसलिए हमें ऐसी मृत्यु प्राप्त करनी चाहिए जो मानवता के हित में कार्य करते हुए आए क्योंकि यदि हमारा जीवन परोपकार के लिए नहीं है तो हमारा जीवन मरण व्यर्थ है क्योंकि अपनी ही सुविधाओं के लिए जीना तो पशुओं का स्वभाव है, मनुष्य का नहीं। सच्चा मनुष्य तो वही है जो परोपकार के लिए मरता है।

अथवा

कस्तूरी मृग की नाभि में स्थित सुगंधित पदार्थ है। जिसकी सुगंध को ढूँढता मृग सारे वन में भागता फिरता है। इसी प्रकार ईश्वर मनुष्य के अंतर में स्थित होता है और वह उसे मंदिरों- मस्जिदों में ढँूढता फिरता है। जबकि मनुष्य को ईश्वर प्राप्ति के लिए माया मोह के बँधनों को तोड़कर सच्चे हृदय से ईश्वर का ध्यान करना चाहिए। प्रत्येक प्राणि में ईश्वर के दर्शन करने चाहिए। तभी ईश्वर की प्राप्ति हो सकती है। कबीर ने कहा है कि मन के अहंकार को त्याग कर ही ईश्वर की प्राप्ति हो सकती है।

11. लगभग 60 - 70 शब्दों में उत्तर लिखिए: 3x2=6

(क) महंत द्वारा हरिहर काका का अपहरण महंत के चरित्र की किस सचाई को सामने लाता है? ठाकुरबाड़ी जैसी संस्थाओ से कैसे बचा जा सकता है?

(ख) समाज में समरसता बनाये रखने के लिए टोपी और इफ़्फ़न जैसे पात्रों का होना आवश्यक है- तीन तर्क देकर पुष्टि कीजिए।

उत्तर-

क. महंत द्वारा हरिहर काका का अपहरण महंत के चरित्र की सचाई को सामने लाता है कि वे ज़मीन के लालच में हरिहर काका की सेवा कर रहे थे और उनकी ज़मीन पर नज़र गड़ाए हुए थे| जब हरिहर काका ने ज़मीन को ठाकुरबारी के नाम करने से मना कर दिया तो उनका अपहरण कर जबरदस्ती काका के अंगूठे के निशान ले लिए| इस घटना के बाद उन्हें महंत और ठाकुरबारी से नफ़रत हो गई| काका के भाइयों ने पुलिस की मदद से ठाकुरीबारी से काका को मुक्त कराया| मुक्त होने के बाद उन्होंने महंत और उनके साथियों का पर्दाफाश किया| ऐसे ठाकुरबाड़ी संस्था से लोगों को बचना चाहिए| वह पर काम-धंधा करने वाले लोग बातों से ही बेवकूफ बनाते हैं| ऐसे लोगों का सामाजिक बहिष्कार कर देना चाहिए|

ख. समाज में समरसता बनाए रखने के लिए टोपी और इफ़्फ़न जैसे पात्रों का होना आवश्यक है क्योंकि सर्वप्रथम तो दोनों के बीच धर्म की कोई दीवार नहीं थी दोनों धर्म से परे गहरे मित्र थे| एक-दूसरे से मिले बिना उन्हें चैन नहीं आता था जो समाज के सहिष्णु

https://previouspaper.in

होने के के लिए आवश्यक है| धार्मिक आधार पर भेदभाव समाज को तोड़ना है जबकि इफ़्फ़न और टोपी की जैसी निश्छल मित्रता समाज को जोड़ती है| दूसरे वे दोनों आर्थिक आधार पर भी अलग-अलग अलग-अलग स्तर के होने के बावजूद गहरी मित्रता रखते थे इफ्फन के पिता कलक्टर थे जबकि टोपी के पिता डॉक्टर थे फिर दोनों में मित्रता थी| यही संदेश समाज के लिए भी है कि ऊँच-नीच के आधार पर भेदभाव समाज में नहीं होना चाहिए| तीसरे पारिवारिक दबावों के बाद भी इफ़्फ़न और टोपी की दोस्ती अटूट रहती है| इससे समाज को यह संदेश जाता है कि किंही भी परिस्थितियों में आपसी सामंजस्य नहीं टूटना चाहिए| सांप्रदायिक सद्भव बना रहना चाहिए|

खंड (घ)

12. आपकी बस्ती के पार्क में कई अनधिकृत खोमचे वालो ने डेरा डाल दिया है, उन्हें हटाने के लिए नगर निगम अधिकारी को लगभग 80 - 100 शब्दों में पत्र लिखिए। 5

अथवा

दूर्दशन निदेशालय को लगभग 80 - 100 शब्दों में पत्र लिखकर अनुरोध कीजिए कि किशोरों ले लिए देशभक्ति के प्रेरणा देने वाले अधिकाधिक कार्यक्रमों को प्रसारित करने की ओर ध्यान दिया जाए।

उत्तर-

नगर-निगम अधिकारी को पत्र

सेवा में,

नगर-निगम अधिकारी महोदय

नगर निगम, लखनऊ 20

दिनांक- 23-09-2019

विषय- बस्ती के पार्क में डेरा डालने वाले अनधिकृत खोमचे वालों को हटाने के लिए पत्र

महोदय,

मै आपका ध्यान लखनऊ के गोमती नगर मोहल्ले के पार्क में डेरा डालने वाले अनधिकृत खोमचे वालों की ओर आकर्षित करना चाहता हूँ। लगभग पंद्रह दिन से कुछ खोमचे वाले पार्क में डेरा डाले हुए हैं। वे बिना सूचना के यहाँ रह रहे हैं। वे बच्चों को कुछ खाने की चीजें बेचते हैं। बच्चे उनसे वस्तुएँ खरीदते हैं और चीजें खाकर उसके पैकेट पूरे पार्क में फैले हैं। इससे यहाँ रहने वालों को बहुत असुविधा हो रही है।

अतः आपसे प्रार्थना है कि इस मामले में व्यक्तिगत रूप से हस्तक्षेप करते हुए पार्क से अनधिकृत खोमचे वालों को जल्द से जल्द हटाने की कृपा करें।

सधन्यवाद,

भवदीय

कखग

https://previouspaper.in

बी-5-11,

गोमती नगर, लखनऊ(उ.प्र.)

अथवा

दूरदर्शन निदेशालय को पत्र

सेवा में,

मुख्य प्रबंध,

दूरदर्शन निदेशालय,

दिल्ली

विषय- किशोरों के लिए देशभक्ति की प्रेरणा देने वाले कार्यक्रमों को प्रसारित करने हेतु अनुरोध पत्र

महोदय- महोदया,

सविनय निवेदन है कि आजकल दूरदर्शन पर देशभक्ति की प्रेरणा देने वाले कार्यक्रम बहुत कम प्रसारित होते हैं। आज के किशोरों में देशभक्ति की भावना कम देखने को मिलती है। वे सब अपने-अपने शौक पूरा करने में मशगूल रहते हैं। इस कारण उनमें देश के प्रति जिम्मेदारी कम दिखाई पड़ती है। ऐसे में यदि आप देशभक्ति से प्रेरित कार्यक्रम अधिक से अधिक दिखाएँगे, तो इससे बच्चों के अंदर देशभक्ति की भावना बढ़ेगी। ऐसे कार्यक्रम किशोरों को प्रेरित करेंगे और उनमें देश के प्रति प्रेम की भावना विकसित होगी।

https://previouspaper.in

अतः आपसे निवेदन है कि देशभक्ति से प्रेरित कार्यक्रमों को अधिक से अधिक दिखाकर किशोरों को प्रेरित करें। आपकी इस सहायता के लिए मैं सदा आपका आभारी रहूँगा।

सधन्यवाद

भवदीय

कखग

13. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर 80 - 100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए। 6

(क) सत्यमेव जयते

- **भाव**
- **झूठ के पाँव नहीं होते**
- **सत्य ही परम् धर्म**

(ख) लड़का-लड़की एकसमान

- **ईश्वर की देन**
- **भेदभाव के कारण**
- **दृष्टिकोण कैसे बदले**

(ग) शिक्षक - शिक्षार्थी सम्बन्ध

- **संबंधो की परम्परा**
- **वर्तमान समय में आया अंतर**
- **हमारा कर्तव्ये**

https://previouspaper.in

उत्तर-

(क) सत्यमेव जयते

सत्यमेव जयते का अर्थ है सत्य की हमेशा जीत होती है। सत्यमेव जयते हमारे राष्ट्रीय प्रतीक के नीचे लिखा गया है। यह इसलिए लिखा गया है कि प्रत्येक भारतीय सत्य के रास्ते पर चलें। सत्य का मार्ग कठिन होता है, लेकिन उस पर चलने वाले लोगों की हमेशा जीत होती है। महात्मा गांधी जी ने सत्य के मार्ग पर चलकर ही देश से अंग्रेजों को खदेड़ दिया। इसके विपरीत झूठ बोलने वाला व्यक्ति कभी सफल नहीं होता। उसका व्यवहार और आचरण सबको खटकता है। उस पर कोई भी चाहकर भी विश्वास नहीं कर पाता। जबकि जिस व्यक्ति के दिल में सत्य रहता है,वह कभी असफल नहीं होता। इसलिए हमें सत्य को अपना धर्म मानकर उस पर चलने की निरंतर कोशिश करनी चाहिए।

(ख) लड़का-लड़की एक समान

पुरुष और महिलाएँ एक-दूसरे के पूरक हैं। ऐसे में पुरुषों और महिलाओं में भेदभाव करना उचित नहीं है। जब ईश्वर पैदा करते समय लड़के-लड़कियों में भेद नहीं करते, तो हमें भी नहीं करना चाहिए। पहले की बात अलग थी, जब लड़कियों को सिर्फ़ चूल्हे-चौके और शादी तक ही सीमित माना जाता था। आज के युग में लड़कियाँ लड़कों से न केवल बराबर कंधा मिलाकर चल रही हैं, बल्कि उनसे आगे भी जा रही हैं। अतएव

https://previouspaper.in

हमें लड़कियों के प्रति अपने दृष्टिकोण बदलने होंगे। लड़कियों को उचित शिक्षा देनी होगी। लड़के और लड़कियों में भेदभाव न कर दोनों को एक समान मानना चाहिए। सरकार ने भी लड़कियों के जन्म से लेकर पढ़ाई, नौकरी, बीमा आदि क्षेत्र में काफी योगदान दिया है। अब लड़कियाँ किसी पर बोझ नहीं हैं. बल्कि आसमान में उड़ान भर रही हैं। इसलिए हमें भी लड़के-लड़कियों को एकसमान मानते हुए उनके भविष्य को उज्ज्वल बनाने में सहायता करनी चाहिए।

(ग) शिक्षार्थी और शिक्षक का सबंध

प्राचीन भारत में शिक्षार्थी और शिक्षक का रिश्ता बहुत पवित्र माना जाता था। उस समय शिक्षार्थी गुरुकुल में रहकर अपने गुरु से शिक्षा ग्रहण करता था और हर कार्य में उनकी सहायता करता था। शिक्षक भी अपने शिष्यों को शिक्षा देकर विद्वान से साथ-साथ नैतिक और गुणवान भी बनाता था। यही कारण है कि कबीरदास जी ने गुरु को ईश्वर से बढ़कर माना है। लेकिन आज का परिदृश्य पूरी तरह बदल गया है। कई बार शिक्षकों द्वारा शिक्षार्थियों पर किए गए दुर्व्यवहार बहुत क्रूर होते हैं। कुछ छात्रों की अपने शिक्षकों के प्रति अक्खड़ता भी दिखाई देती है। शिक्षार्थी भी अपने शिक्षकों का सम्मान नहीं करते। ऐसे समय में शिक्षक और शिक्षार्थी दोनों को अपने-अपने व्यवहारों में परिवर्तन लाना होगा। शिक्षकों को

शिक्षार्थियों को विषय ज्ञान के साथ-साथ नैतिक पाठ भी पढ़ाने होंगे और शिक्षार्थियों को भी अपने शिक्षकों का सम्मान करना सीखना होगा।

14. चोरी की घटना के बाद पूछताछ के लिए नियुक्त पुलिस इंस्पेक्टर और पीड़ित महिला के बीच संवाद को लगभग 50 - 60 शब्दों में लिखिए। 5

अथवा

आपके शहर में लाउडस्पीकर के बढ़ते शोर पर दो पड़ोसियों की बातचीत संवाद के रूप में लगभग 50 - 60 शब्दों में लिखिए। 5

उत्तर-

पुलिस इंस्पेक्टर और पीड़िता महिला के बीच संवाद

पुलिस इंस्पेक्टर- (पीड़िता महिला से)- आपके घर में चोरी कितने बजे हुई

पीड़िता महिला- श्रीमान मुझे नहीं पता। चोर ने शायद कोई नशीली दवा सुंघा दी थी।

पुलिस इंस्पेक्टर-आपको कब पता चला कि आपके घर में चोरी हुई।

पीड़िता महिला- सुबह पाँच बजे उठकर रसोई में गई तो वहाँ फ्रिज, माइक्रोवेव आदि नहीं था। तब पता चला कि घर में चोरी हुई है।

पुलिस इंस्पेक्टर- आपको किसी पर शक है।

पीड़िता महिला- नहीं श्रीमान।

https://previouspaper.in

पुलिस इंस्पेक्टर- ठीक है हम इसका पता लगाएँगे। इस बारे में कोई सूचना मिलते ही आपको सूचित किया जाएगा।

पीड़िता महिला- धन्यवाद श्रीमान।

अथवा

राकेश- यार महेश, आज दो दिन से शहर मे लाउडस्पीकर बज रहा है। इससे बहुत शोर हो रहा है।

महेश- हाँ यार, इस शोर की वजह से पढ़ाई भी ढंग से नहीं हो पा रही है।

राकेश- हाँ, परीक्षा भी आने वाली है,

महेश- क्या हमें इस शोर से बचने के लाउडस्पाकर को बंद कराने की कोशिश करनी चाहिए।

राकेश- करानी तो चाहिए, पर कैसे कराया जाए।

महेश- चलो, चलकर इस बारे में पता करते हैं।

15. अपने विद्यालय में होने वाले निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर के आयोजन से संबंधित विज्ञापन लगभग 25 - 50 शब्दों में तैयार कीजिए। 5

अथवा

आप अपना कम्प्यूटर बेचना चाहते है। इससे सम्बंधित विज्ञान लगभग 25 - 50 शब्दों में तैयार कीजिए।

https://previouspaper.in

उत्तर-

निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर के आयोजन पर विज्ञापन

निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर

दिनांक- 23-08-2019

समय- प्रातः 10.00 बजे से सायं 5 बजे तक

नोट- विभिन्न प्रकार के बीमारियों का इलाज कुशल चिकित्सकों द्वारा किया जाएगा।

निवेदक- प्रधानाचार्य, अ ब स विद्यालय

स्थान- अ ब स विद्यालय नई दिल्ली

अथवा

https://previouspaper.in

बिकाऊ है

मुझे मेरा दो साल पुराना कंप्यूटर बेचना है। इच्छुक खरीदार स्वयं ही संपर्क करें।

पता- घर संख्या, 23 ब, कमल कॉलोनी, कखग नगर

मोबाइल नं. 091..........

16. अपनी बस्ती को स्वच्छ रखने हेतु कल्याण समिति के सचिव होने के नाते इससे संबंधित सूचना 40-50 शब्दों में लिखिए। 5

अथवा

आप अपने विद्यालय की छात्र संस्था के सचिव है तथा विद्यालय में 'चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित करवाना चाहते है। इससे संबंधित सूचना 40 - 50 शब्दों में लिखिए।

उत्तर-

https://previouspaper.in

अ, ब,स कालोनी, दिल्ली

सूचना

बस्ती को स्वच्छ रखना

आपको जानकर यह खुशी होगी कि अ ब स कॉलोनी की साफ-सफाई करने का आयोजन किया जा रहा है। आप सभी निवासियों के इस कार्य में बढ़-चढ़कर भाग लेना होगा।

कार्यक्रम इस प्रकार है-

दिनांक - 4 जुलाई 2019

समय- सुबह 10य00 बजे

स्थान- अ ब स कॉलोनी, दिल्ली

आदित्य

सचिव

कल्याण समिति

अथवा

अ ब स विद्यालय, दिल्ली

सूचना

चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन

आपको यह जानकर अत्यंत खुशी होगी कि विद्यालय में चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। इसमें विद्यालय के सभी विद्यार्थी भाग ले सकते हैं। कार्यक्रम का आयोजन इस प्रकार है-

दिनांक- 12 जुलाई 2019

स्थान- विद्यालय का सभागार

https://previouspaper.in

समयः सुबह 10.00 बजे

कार्यक्रम में भाग लेने के लिए प्रधानाचार्य के ऑफिस में संपर्क करें।

अखिल

(सचिव)

छात्र संस्था

https://previouspaper.in